विषय-सूची

सन्मति पुस्तकालय
जयपुर

१–प्राक्कथन–जैनधर्मका प्राकृत रूप, जैनधर्मकी प्राचीनता, प्राचीन भारतका स्वरूप, तत्कालीन मुख्य राज्य ...

२–शिशुनाग वंश–उत्पत्ति, उपश्रेणिक, श्रेणिक बिम्बसार, अभयकुमार, अजातशत्रु, कुणिक, दर्शक, उदयन, नन्दिवर्धन, महानन्दिन आदि १२

३–लिच्छवि आदि गणराज–प्राचीन भारतमें प्रजातन्त्र, लिच्छवि, राजा चेटक, शतानिक, दशरथ, उदयन, चेलनी, वैशाली, ज्येष्ठा, चन्दना, शाक्य, मल्ल, गणराज्य २९

४–ज्ञात्रिक क्षत्री और भ० महावीर–कोल्लाग, वज्जियन, सिद्धार्थराजा, त्रिशला, कुण्डग्राम, भ० महावीरका जीवनकाल, निर्ग्रन्थ जैनी, भवरुद्र, मक्खलिगोशाल, पूर्णकाश्यप, आजीवक, गौतमबुद्ध, कौशलदेश, मिथिला, वैशाली, चंपा, धर्मघोष, सुदर्शन सेठ, मगध, पांचाल, कलिंग, वंग, मथुरा, दक्षिण भारत, राजपूताना, गुजरात, पंजाब, काश्मीर आदिमें धर्मप्रचार, ज्ञातृवंश ४६

५–वीर संघ और अन्य राजा–वीर संघके गणधर, गौतम, अग्निभूति, वायुभूति, सुधर्माचार्य, यमराजा, मण्डिक पुत्र, मौर्यपुत्र, अकंपित, अचलवृत्त, प्रभास, वारिषेण, चंदना आदि ११९

६–तत्कालीन सभ्यता और परिस्थिति–तत्कालीन

रान अवस्था, सामाजिक दशा, महिला महिमा, धार्मिक स्थिति, मुनि व आर्यिकाओंका धर्म, श्रावकाचार आदि १३८
७–भ० महावीरका निर्वाणकाल–वीर संवत, शक-शालिवाहन, नहपान, विक्रम संवत १५७
८–अन्तिम केवली श्रीजम्बूस्वामी–बाल्यकाल, वीरता, वैराग्य, विवाह, मुनिजीवन, सर्वज्ञ दशा व धर्मप्रचार, श्वेताम्बर कथन १७१
९–नन्द वंश–नवनन्द, नंदिवर्धन आदि.... .... १८०
१०–सिकन्दर महानका आक्रमण और तत्कालीन जैन साधु–भारतीय तत्ववेत्ता, दि० जैन साधु जिम्नोसोफिस्ट, मुनि मन्दनीस और कलोनस आदि १८६
११–श्रुतकेवली भद्रबाहु और अन्य आचार्य–जैन संघका दक्षिणमें प्रस्थान, श्वेतांबर पट्टावली, जैन संघमें भेद, श्रुतज्ञानकी विक्षिप्ति, श्वे० स्थूलभद्र, आदि २०१
१२–मौर्य साम्राज्य–चन्द्रगुप्त मौर्य, सैल्यूकस, शासन-प्रबंध, सामाजिक दशा, धार्मिक स्थिति, चन्द्रगुप्त जैन थे, चाणक्य, अशोक, कलिंग विजय, अशोककी शिक्षायें, अशोकके जैन धर्मानुसार पारिभाषिक शब्द और उनके दार्शनिक सिद्धांत, अशोकका जैनधर्म प्रचार, शिलालेख व शिल्प कार्य, अंतिम जीवन, अशोकके उत्तराधिकारी, राजा सम्प्रति और जैनसंघ, सेठ सुकुमाल, मौर्य साम्राज्यका अन्त, उपरांतकालके मौर्यवंशज, शुंग वंश २१८